राम जन्म-भूमि

खक : डॉ0 सुरेन्द्रसिंह लोढ़ा

काशक : राजस्थान प्रदेश हिन्दू महासभा

द्रक : राजेश लोढ़ा, सिद्धेश्वरी प्रिंटर्स, जोधपुर

थम संस्करण : दो हजार

भीतर के पृष्ठों में :

"मेरा नाम अब्दुल बक्स है, मैं श्री राम जन्मभूमि पर ड्यूटी लिये तैनात किया गया हूँ। मेरी ड्यूटी के दौरान हिन्दुओं की तरफ कोई गैर कानूनी कायवाही नहीं हुई। 22-23 दिसम्बर की त्री को लगभग 2 बजे में जब ड्यूटी पर तैनान था, तब अचानक बरी मस्जिद में कुछ चांदनी नजर आई। मैं उसे गौर से उस र देखने लगा, मुझे दिखाई दिया कि मस्जिद के अन्दर खुदाई शनी हो रही है। और व रोशनी सुनहरी होती गयी और के भीतर मुझे चार पांच साल के खुबसूरत बच्चे की शक्ल नजर ई। उसके घुंघराले बाल थे बदन मोटा-ताजा तन्दुरुस्त था। ा खूबसूरत बच्चा मैंने अपनी जिन्दगी में कभी नहीं देखा उसे कर मैं बेहोश हो गया.....